Total No. of Printed Pages—3

2 SEM TDC GEHN (CBCS) 2

2025

(May)

HINDI

(Generic Elective)

Paper : GE–2

(संपादन प्रक्रिया और साज-सज्जा)

Full Marks : 80
Pass Marks : 32

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) संपादन का सूत्र क्या है?

(ख) संपादन का कार्य कौन करता है?

(ग) लेखों से समाचार-पत्रों का कौन-सा पक्ष प्रदर्शित होता है?

(घ) क्या शीर्षक में इनवर्टेड कॉमा का प्रयोग किया जाना चाहिए?

(ङ) समाचार-पत्र की कमाई का मुख्य स्रोत क्या होता है?

(च) एक अच्छे पत्र की भाषा किस प्रकार की होनी चाहिए?

(छ) पृष्ठ-सज्जा के संदर्भ में मुद्रण का क्या अर्थ है?

(ज) साज-सज्जा का ज्ञान किससे होता है?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×6=24

(क) संपादन की प्रक्रिया क्या है, लिखिए।

(ख) "उपसंपादक समाचार-पत्र का अज्ञात योद्धा होता है।" स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'आमुख' पर एक टिप्पणी लिखिए।

(घ) समाचार-लेखन सामान्य-लेखन से किस प्रकार भिन्न होता है, बताइए।

(ङ) 'रेखाचित्र' पर एक टिप्पणी लिखिए।

(च) 'छायाचित्र' की संपादन प्रक्रिया को संक्षेप में लिखिए।

(छ) क्या साज-सज्जा संयुक्त प्रयास का परिणाम है? स्पष्ट कीजिए।

3. संपादक की योग्यता, दायित्व और महत्त्वों पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

संपादन के आधारभूत तत्त्वों पर चर्चा कीजिए।

4. "समाचार-पत्रों का लेखन, न तो पूर्ण रूप से आम बोलचाल के स्तर का होता है और न साहित्यिक गम्भीरता में ही उलझा हुआ।" इस कथन की पुष्टि कीजिए। 12

अथवा

समाचार-पत्रों में लीड-लेखन के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

(Continued)

5. समाचार-पत्र और पत्रिका के विविध स्तम्भों की योजनाओं को लिखिए। 12

अथवा

ग्राफिक्स और छायाचित्र की संपादन-कला पर प्रकाश डालिए।

6. हिन्दी के समाचार-पत्रों की साज-सज्जा और तैयारी का सविस्तार वर्णन कीजिए। 12

अथवा

हिन्दी के प्रांतीय समाचार-पत्रों की भाषा, आंचलिक प्रभाव और वर्तनी की समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

★★★